प्रकाश डालता है। किसान का मानना है कि kapas ki कीमत कम से कम 10,000 रुपये प्रति क्विंटल होनी चाहिए। किसानों के बीज और औषधि पर जीएसटी न लगाए। जीएसटी से किसानों को राहत मिले। सरकारी योजनाएं नुकसान की भरपाई करने के लिए अपर्याप्त हैं।

महाराष्ट्र में यवतमाल में क्राइम रेट बहुत बढ़ा है हर दो दिन में एक कत्ल हो रहा है महाराष्ट्र में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है।

भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बताने का दावा बढ़ती बेरोजगारी की वास्तविकता को छिपाता है, विशेष रूप से युवाओं के बीच। महाराष्ट्र में, जहां कपड़ा और कृषि क्षेत्र प्रमुख रोजगार स्रोत हैं, इन क्षेत्रों में संकट ने बेरोजगारी को और बढ़ा दिया है। यवतमाल जैसे क्षेत्रों में रोजगार की कमी विशेष रूप से चिंताजनक है, जहां युवा बड़ी संख्या में शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। कल रात दो सौ नौजवानो ने आत्महत्या कर ली, बात बहुत चौकाने वाली थी, बाद में पता चला. जन्नत में कलर्क की एक जगह खाली थी।

विदर्भ क्षेत्र में सिंचाई परियोजनाओं की कमी एक बड़ी समस्या है। गोसीखुर्द परियोजना, देमझ्ा अमरावती प्रोजेक्ट में बहुत बड़े पैमाने पर धांधली हुई है किसानों को खेत तक पानी नहीं मिल रहा है कुछ किसानों को जमीन का मुआवजा बहुत कम मिल रहा है। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

महाराष्ट्र में जल संकट और वन क्षेत्रों का संरक्षण महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। यवतमाल के आसपास के जंगलों में मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ रहा है, लेकिन इस पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

निष्कर्ष में, जबकि हम सभी एक विकसित महाराष्ट्र और भारत की आकांक्षा साझा करते हैं, हम अपनी कमियों को नजरअंदाज करके या एक चयनात्मक कथा प्रस्तुत करके इस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते। सच्ची प्रगति के लिए ईमानदार आत्मनिरीक्षण, समावेशी नीतियों और समाज के सभी वर्गों की चिंताओं को संबोधित करने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है।

मैं इस सरकार से आग्रह करता हूं कि वह नारों से आगे बढ़े और हमारे राज्य और राष्ट्र के भविष्य के लिए एक अधिक संतुलित और व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करे। इन कारणों से, मैं राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध करता हूं। धन्यवाद

***m99 प्रधानमंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) :** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए उपस्थित हुआ हूं।?(व्यवधान) आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारे आदरणीय राष्ट्रपति जी ने विकसित भारत के संकल्प को अपने प्रवचन में विस्तार दिया है।?(व्यवधान) आदरणीय राष्ट्रपति महोदया ने अहम विषय उठाएं हैं।?(व्यवधान) आदरणीय राष्ट्रपति जी ने हम सबका और देश का मार्गदर्शन किया है।?(व्यवधान) इसके लिए मैं राष्ट्रपति जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।?(व्यवधान) आदरणीय अध्यक्ष जी, कल और आज कई माननीय सदस्यों ने राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर अपने विचार व्यक्त किए हैं।?(व्यवधान)

मैं विशेषकर जो पहली बार सांसद बनकर हमारे बीच आए हैं और उनमें से कुछ आदरणीय साथियों ने अपने जो विचार व्यक्त किए, संसद के सभी नियमों का पालन करते हुए किए, उनका व्यवहार ऐसा था, जैसे एक अनुभवी सांसद का होता है। ? (व्यवधान) इसलिए प्रथम बार आने के बावजूद भी उन्होंने सदन की गरिमा को बढ़ाया है।? (व्यवधान) उन्होंने अपने विचारों से इस डिबेट को और अधिक मूल्यवान बनाया है। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, देश ने एक सफल चुनाव अभियान को पार करते हुए विश्व को दिखा दिया है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव अभियान था।? (व्यवधान) देश की जनता ने दुनिया के सबसे बड़े चुनाव अभियान में हमें चुना है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं कुछ लोगों की पीड़ा समझ सकता हूं कि लगातार झूठ चलाने के बावजूद भी उनकी घोर पराजय हुई। लोकतंत्र के ?(व्यवधान)

16.18 hrs

At this stage, Shri Alfred Kanngam S. Arthur, Shri B. Manickam Tagore,
Shri Gaurav Gogoi and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

_

माननीय अध्यक्ष : माननीय प्रतिपक्ष के नेता, यह आपको शोभा नहीं देता है। आपको पर्याप्त समय, पर्याप्त अवसर दिया है। आपको यह शोभा नहीं देता है।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सदन में डायरेक्शन दो, माननीय नेता जब बोल रहे हों, तब आप खड़े हो जाएं, यह आपको शोभा नहीं देता है।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : संसदीय परंपराओं के अनुसार यह उचित नहीं है। आपका यह तरीका ठीक नहीं है।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नो, आपका यह गलत तरीका है। सदन इस तरीके से नहीं चलेगा।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नो, यह गलत तरीका है। आप संसद के अंदर गरिमा बना कर रखें। आप गरिमा को तोड़ना चाहते हैं।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप पीठ पीछे बात नहीं करें। आपको सदन की गरिमा का नहीं पता है। आप वेल में आने के लिए लोगों को डायरेक्शन देते हैं।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप प्रतिपक्ष के नेता हैं। आपका यह गलत तरीका है।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय प्रधान मंत्री जी।

? (व्यवधान)

श्री नरेन्द्र मोदी : आदरणीय अध्यक्ष जी, यह विश्व का सबसे बड़ा चुनाव अभियान था और उसमें भारत की जनता ने हमें तीसरी बार देश की सेवा करने का मौका दिया है।? (व्यवधान) यह अपने आप में लोकतांत्रिक विश्व के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण घटना है, बहुत ही गौरवपूर्ण घटना है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमें हर कसौटी पर कसने के बाद देश की जनता ने यह जनादेश दिया है।? (व्यवधान) जनता ने हमारे 10 साल के ट्रेक रिकॉर्ड को देखा है।? (व्यवधान) जनता ने देखा है कि गरीबों के कल्याण के लिए हमने जिस समर्पण भाव से, जन-सेवा ही प्रभु सेवा के मंत्र को चरितार्थ करते हुए, हमने जो कार्य किया है, उसके कारण 10 साल में 25 करोड़ गरीब लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।? (व्यवधान) देश की आज़ादी के कालखण्ड में, इतने कम समय में इतने लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का सफल प्रयास इस चुनाव में हमारे लिए आशीर्वाद का कारण बना है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, जब पहली बार वर्ष 2014 में हम जीतकर आये थे, तो चुनाव के अभियान में भी हमने कहा था कि हमारा करप्शन के प्रति ज़ीरो टॉलरेन्स रहेगा।? (व्यवधान) आज मुझे गर्व है कि हमारी सरकार में, देश का सामान्य मानवी, जो करप्शन के कारण पीड़ित है, देश को करप्शन ने दीमक की तरह खोखला कर दिया है, ऐसे में भ्रष्टाचार के प्रति हमारी जो ज़ीरो टॉलरेन्स की नीति है, आज देश ने हमें उसके लिए आशीर्वाद दिया है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, आज दुनिया भर में भारत की साख बढ़ी है। आज विश्व में भारत का गौरव हो रहा है। भारत की तरफ देखने का नज़रिया भी, एक गौरवपूर्ण नज़रिया हर भारतवासी अनुभव करता है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, देश की जनता ने देखा है कि हमारा एक मात्र लक्ष्य ?नेशन फर्स्ट? है, ?भारत सर्वप्रथम? है। हमारी हर नीति, हमारे हर निर्णय, हमारे हर कार्य का एक ही तराजू रहा है- ?भारत प्रथम।?? (व्यवधान) ?भारत प्रथम? की भावना के साथ देश के जो आवश्यक रिफॉर्म्स थे, उन रिफॉर्म्स को भी हमने लगातार जारी रखा है। 10 वर्षों में हमारी सरकार ?सबका साथ, सबका विकास? के मंत्र को लेकर लगातार देश के सभी लोगों का कल्याण करने का प्रयास करती रही है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हम उन सिद्धांतों के प्रति समर्पित हैं, जिनमें भारत के संविधान की स्पिरिट के अनुसार, ?सर्व पंत सम्भाव? के विचार को सर्वोपरि रखते हुए, हमने देश की सेवा करने का प्रयास किया है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, इस देश ने लम्बे अरसे तक तुष्टिकरण की राजनीति भी देखी, इस देश ने लम्बे अर्से तक तुष्टिकरण की गवर्नेंस का मॉडल भी देखा ।? (व्यवधान) देश ने पहली बार सेक्युलरिज्म का एक पूरा, हमने जो प्रयास किया और वह हमने तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण किया । ? (व्यवधान) उस संतुष्टीकरण के विचार को लेकर हम चले हैं । ? (व्यवधान) जब हम संतुष्टीकरण की बात करते हैं, तो इसका मतलब है कि हर योजना का सैचुरेशन, गवर्नेंस की, आखिरी व्यक्ति तक पहुंचने की हमारी जो संकल्पना है, इसको परिपूर्ण करना । ? (व्यवधान) जब हम सैचुरेशन के सिद्धांत को लेकर चलते हैं, तब सैचुरेशन सच्चे अर्थ में सामाजिक न्याय होता है । ? (व्यवधान) सैचुरेशन सच्चे अर्थ में सेक्युलरिज्म होता है और उसी को देश की जनता ने हमें तीसरी बार बैठाकर के मोहर लगा दी है । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, अपीज़मेंट ने इस देश को तबाह करके रखा है । ? (व्यवधान) इसलिए, हम ?Justice to all, appeasement to none? के सिद्धांत को लेकर चले हैं । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, दस साल के हमारे कार्यकाल को देखने-परखने के बाद भारत की जनता ने हमारा समर्थन किया है । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमें फिर एक बार 140 करोड़ देशवासियों की सेवा करने का मौका मिला है । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, इस चुनाव ने इस बात को सिद्ध किया है कि भारत की जनता कितनी परिपक्व है, भारत की जनता कितने विवेकपूर्ण रूप से और कितने उच्च आदर्शों को लेकर अपने विवेक का सदबुद्धि से उपयोग करती है । ? (व्यवधान) उसी का नतीजा है कि आज तीसरी बार हम आपके सामने, देश की जनता के सामने नम्रतापूर्वक सेवा करने के लिए उपस्थित हुए हैं । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, देश की जनता ने हमारी नीतियों को देखा है, हमारी नीयत, हमारी निष्ठा, उस पर देश की जनता ने भरोसा किया है । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, इस चुनाव में हम जनता के बीच एक बड़े संकल्प के साथ, देश की जनता के पास आशीर्वाद मांगने के लिए गए थे । ? (व्यवधान) हमने ?विकसित भारत? के हमारे संकल्प के लिए आशीर्वाद मांगा था । ? (व्यवधान) हमने ?विकसित भारत? के निर्माण के लिए एक प्रतिबद्धता के साथ, एक शुभनिष्ठा के साथ, जन-सामान्य का कल्याण करने के इरादे से हम गए थे । ? (व्यवधान) जनता ने ?विकसित भारत? के संकल्प को चार-चांद लगाकर, हमें फिर से एक बार विजयी बनाकर देश की जनता की सेवा करने का मौका दिया है । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, जब देश विकसित होता है, तब कोटि-कोटि जनों के सपने पूरे होते हैं । ? (व्यवधान) देश जब विकसित होता है, तब कोटि-कोटि जनों के संकल्प सिद्ध होते हैं । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, जब देश विकसित होता है तब आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत नींव उनके सपनों को पूरा करने के लिए तैयार हो जाती है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, विकसित भारत का सीधा-सीधा लाभ हमारे देश के नागरिकों की गरिमा, हमारे देश के नागरिकों की क्वालिटी ऑफ लाइफ में सुधार, यह स्वाभाविक सुधार विकसित भारत होने से देश के कोटि-कोटि जनों के भाग्य में आता है ।? (व्यवधान) आजादी के बाद मेरे देश का सामान्य नागरिक इन चीजों के लिए तरसता रहा है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, जब विकसित भारत होता है, तब हमारे गाँव की स्थिति, हमारे शहरों की स्थिति, उनमें भी बहुत बड़ा सुधार होता है ।? (व्यवधान) गाँव के जीवन में गौरव भी होता है, गरिमा भी होती है और विकास के नए-नए अवसर भी होते हैं ।? (व्यवधान) हमारे शहरों का विकास भी एक अवसर के रूप में विकसित भारत में तब उभरता है, ? (व्यवधान) जब दुनिया की विकास यात्रा में भारत के शहर भी बराबरी करेंगे ।? (व्यवधान) यह हमारा सपना है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, विकसित भारत का मतलब होता है कोटि-कोटि नागरिकों को, कोटि-कोटि अवसर उपलब्ध होते हैं, अनेक-अनेक अवसर उपलब्ध होते हैं और वे अपने कौशल, अपनी क्षमता और संसाधनों के अनुसार विकास की नई सीमाओं को प्राप्त कर सकता है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आज आपके माध्यम से देशवासियों को विश्वास दिलाता हूँ कि विकसित भारत के जिस संकल्प को लेकर हम चले हैं, उस संकल्प की पूर्ति के लिए हम भरसक प्रयास करेंगे, पूरी निष्ठा से करेंगे, पूरी ईमानदारी से करेंगे और हमारे समय का पल-पल और हमारे शरीर का कण-कण हम देशवासियों के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में लगाएंगे ।? (व्यवधान) हमने देश की जनता को कहा था 24 बाई 7 फॉर 2047? (व्यवधान) आज मैं इस सदन में भी दोहराता हूँ कि हम इस काम को अवश्य पूरा करेंगे ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2014 के उन दिनों को याद कीजिए ।? (व्यवधान) वर्ष 2014 के उन दिनों को याद करेंगे तो हमारे ध्यान में आएगा कि हमारे देश के लोगों का आत्मविश्वास खो चुका था ।? (व्यवधान) देश निराशा की गर्त में डूब चुका था ।? (व्यवधान) ऐसे समय, वर्ष 2014 के पहले देश ने जो सबसे बड़ा नुकसान भुगता था, जो सबसे बड़ी अमानत खोयी थी, वह था देशवासियों का आत्मविश्वास ।? (व्यवधान) जब विश्वास और आत्मविश्वास खो जाता है, तब उस व्यक्ति का, समाज का, देश का खड़ा हो जाना मुश्किल हो जाता है ।? (व्यवधान) उस समय सामान्य मानव के मुँह से यही निकलता था कि इस देश का कुछ नहीं हो सकता है । उस समय हर जगह ये सात शब्द सुनाई देते थे कि ?इस देश का कुछ नहीं हो सकता? । यही शब्द वर्ष 2014 के पहले सुनाई देते थे ।? (व्यवधान) भारतीयों की हताशा के ये सात शब्द एक प्रकार से पहचान बन गए थे । उस समय आए दिन जब अखबार खोलते थे, तो घोटालों की खबरें ही पढ़ने को मिलती थीं और सैकड़ों करोड़ रुपये के घोटाले होते थे, रोज नए घोटाले । घोटालों की घोटालों से स्पर्धा थी । ये घोटालेबाज लोगों के घोटाले, इसी का यह काल खंड था ।? (व्यवधान) बेशर्मी के साथ सार्वजनिक रूप से स्वीकार भी कर लिया जाता था कि दिल्ली से एक रुपया निकलता है तो पन्द्रह पैसे पहुंचते हैं । एक रुपये में 85 पैसे का घोटाला । इन घोटालों की दुनिया ने देश को निराशा की गर्त में डूबो दिया था । पालिसी पैरालिसिस था, फ्रैजाइल फाइव में पहुंच चुके थे । भाई भतीजावाद इतना फैला हुआ था, जिसके लिए सामान्य नौजवान तो आशा छोड़ चुका था कि यदि कोई सिफारिश करने वाला नहीं है तो जिंदगी अटक जाएगी, यह स्थिति पैदा हुई थी । गरीब को घर लेना हो तो हजारों रुपये की रिश्वत देनी पड़ती थी ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, गैस के कनेक्शन के लिए मैम्बर पार्लियामेंट के यहां अच्छों-अच्छों को चक्कर काटने पड़ते थे और वह भी बिना कट लिए गैस के कनेक्शन नहीं मिलते थे । मुफ्त राशन के लिए भी पता नहीं होता था कि कब बाजार में दुकान पर बोर्ड लटक जाए । हक का राशन नहीं मिलता था और उसके लिए भी रिश्वत देनी पड़ती थी ।? (व्यवधान) हमारे ज्यादातर भारतीय भाई-बहन इतने निराश हो चुके थे कि वे अपने भाग्य को दोष देकर, अपने नसीब को दोष देकर जिंदगी काटने के लिए मजबूर हो जाते थे । वर्ष 2014 के पहले वह एक वक्त था जब वे सात शब्द हिंदुस्तान के जन-मन में स्थिर हो चुके थे । निराशा की गर्त में डूबा हुआ समाज था, तब देश की जनता ने हमें सेवा करने के लिए चुना और उस पल देश के परिवर्तित युग का प्रारम्भ हो चुका था ।? (व्यवधान) पिछले दस सालों में, मैं कहूंगा मेरी सरकार की अनेक सफलताएं हैं, अनेक सिद्धियां हैं जिनकी ताकत से देश निराशा की गर्त में से निकल कर आशा और विश्वास के साथ खड़ा हो गया । देश में आत्मविश्वास बुलंदी पर पहुंचा और जो सात शब्द थे, देश की युवा पीढ़ी उनसे बाहर आने लगी ।? (व्यवधान) धीरे-धीरे देश के मन में स्थिर हो गया, जो वर्ष 2014 से पहले कहते थे कि ?कुछ नहीं हो सकता? वे कहने लगे कि इस देश में सब कुछ हो सकता है । इस देश में सब कुछ संभव है । यह विश्वास जताने का हमने काम किया है ।? (व्यवधान) हमने सबसे पहले तेजी से 5G का रोलआउट करके दिखाया ।? (व्यवधान) तीव्र गति से 5G का रोलआउट होने के बाद देश गौरव से कहने लगा कि भारत कुछ भी कर सकता है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, वह एक जमाना था, जब कोयला घोटाले में बड़े-बड़ों के हाथ काले हो चुके थे, आज कोयले का सर्वाधिक उत्पादन हो रहा है ।? (व्यवधान) इसी के कारण, देश अब कहने लगा है कि अब भारत कुछ भी कर सकता है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2014 के पहले वह एक समय था, जब फोन बैंकिंग करके बड़े-बड़े घोटाले किए जा रहे थे ।? (व्यवधान) अपनी पर्सनल प्रॉपर्टी की तरह बैंक का खजाना लूट लिया गया था ।? (व्यवधान) वर्ष 2014 के बाद नीतियों में परिवर्तन, निर्णयों में गति, निष्ठा और प्रामाणिकता की गयी और उसी का परिणाम है कि आज दुनिया के अच्छे बैंकों में भारत के बैंकों का एक स्थान बन गया है ।? (व्यवधान) आज भारत के बैंक सर्वाधिक मुनाफा करने वाले बैंक बन गए हैं और लोगों की सेवा करने की जगह बन गए हैं ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2014 के पहले भी एक वक्त था, जब आतंकी आकर, जहां चाहे, जब चाहे, हमला कर सकते थे ।? (व्यवधान) वर्ष 2014 के पहले निर्दोष लोग मारे जाते थे, हिन्दुस्तान के कोने-कोने को टारगेट किया जाता था और सरकारें चुपचाप बैठी रहती थीं, मुँह तक खोलने को तैयार नहीं थीं ।? (व्यवधान) आज वर्ष 2014 के बाद का हिन्दुस्तान घर में घुस कर मारता है, सर्जिकल स्ट्राइक करता है, एयर स्ट्राइक करता है और उसने आतंकवाद के आकाओं को भी सबक सिखाने का सामर्थ्य दिखा दिया है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, देश का एक-एक नागरिक जानता है कि अपनी सुरक्षा के लिए भारत कुछ भी कर सकता है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, आर्टिकल-370 की पूजा करने वाले लोगों ने, वोट बैंक को राजनीति का हथियार बनाने वाले लोगों ने जिस तरह से जम्मू-कश्मीर के जो हालात कर दिये थे, वहां के लोगों के अधिकार छीन लिए गए थे, उस समय भारत का संविधान जम्मू-कश्मीर की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकता था और यहां संविधान को सिर पर रख कर नाचने वाले लोग तब संविधान को जम्मू-कश्मीर में लागू करने का हौसला नहीं रखते थे ।? (व्यवधान)

वे बाबा साहेब अम्बेडकर का अपमान किया करते थे।? (व्यवधान) आर्टिकल-370 का वह ज़माना था, जब सेनाओं पर पत्थर चलते थे और लोग निराशा में डूब कर कहते थे कि अब तो जम्मू-कश्मीर में कुछ हो नहीं सकता।? (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, आर्टिकल-370 की दीवार गिरी, पत्थरबाज़ी बंद है, लोकतंत्र मज़बूत है और जम्मू-कश्मीर के लोग बढ़-चढ़ कर भारत के संविधान में भरोसा करते हुए, भारत के तिरंगे झंडे पर भरोसा करते हुए, भारत के लोकतंत्र में भरोसा करते हुए, बढ़-चढ़ कर मतदान करने के लिए आगे आ रहे हैं, यह साफ़-साफ दिखाई देता है। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, 140 करोड़ देशवासियों में यह विश्वास पैदा होना, यह उम्मीद पैदा होना बड़ी बात है और जब विश्वास जागता है, तब वह विकास का ड्राइविंग फोर्स बन जाता है। ? (व्यवधान) इस विश्वास ने विकास के ड्राइविंग फोर्स का काम किया है। ? (व्यवधान) आदरणीय अध्यक्ष जी, यह विश्वास विकसित भारत संकल्प से सिद्धि का विश्वास है। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, जब आज़ादी की जंग चल रही थी और जो भाव देश में था, जो जोश था, उत्साह था, उमंग था, जो विश्वास था कि आज़ादी ले कर रहेंगे, आज देश के कोटि-कोटि जनों में वह विश्वास पैदा हुआ है, जिस विश्वास के कारण आज विकसित भारत होना, एक प्रकार से उसकी मज़बूत नींव का इस चुनाव में शिलान्यास हो चुका है। ? (व्यवधान) जो ललक आज़ादी के आंदोलन में थी, वही ललक विकसित भारत के इस सपने को साकार करने में है। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, आज भारत के लक्ष्य बहुत विराट हैं। ? (व्यवधान) आज भारत दस सालों में एक ऐसी स्थिति में पहुंचा है कि हमें खुद से ही प्रतिस्पर्धा करनी है। ? (व्यवधान) हमें ही अपने पुराने रिकॉर्ड्स तोड़ने हैं और नेक्स्ट लैवल पर हमें अपनी विकास यात्रा को ले जाना है। ? (व्यवधान) दस वर्षों में भारत विकास की जिस ऊंचाई पर पहुंचा है, वह हमारी प्रतिस्पर्धा का एक मार्क बन चुका है, एक बेंचमार्क बन चुका है। ? (व्यवधान) पिछले दस सालों में हमने जो स्पीड पकड़ी है, अब हमारा मुकाबला, उसी स्पीड को और ज्यादा स्पीड में ले जाने का है और मेरा विश्वास है कि देश की इच्छा को हम उसी गति से पूरा करेंगे। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हम हर सफलता को, हर सैक्टर को नेक्स्ट लैवल तक ले जाएंगे। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, भारत की इकोनॉमी को दस साल के अल्पकाल में हम दसवें नंबर की इकोनॉमी से 5वें नंबर पर ले गए हैं। ? (व्यवधान) अब हम नेक्स्ट लैवल पर जाने के लिए जिस गति से निकले हैं, हम देश की इकोनॉमी को विश्व में तीसरे नंबर पर ले जाएंगे। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, दस सालों में हमने भारत को मोबाइल फोन का बड़ा मैन्युफक्चरर बना दिया है। ? (व्यवधान) भारत को मोबाइल फोन का बड़ा एक्सपोर्टर बना दिया। अब यही काम हमारे इस टेन्योर में सेमी कंडक्टर और अन्य सेक्टर्स में हम करने जा रहे हैं। दुनिया के महत्वपूर्ण कामों में जो चिप्स काम में आएंगी, वह चिप्स मेरे भारत की मिट्टी में तैयार हुई होंगी। मेरे भारत के नौजवानों की बुद्धि का परिणाम होगा, मेरे भारत के नौजवानों के परिश्रम का परिणाम होगा, यह विश्वास हमारे बीच में है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हम आधुनिक भारत की तरफ भी जाएंगे। हम विकास की नई ऊंचाइयों को हासिल करेंगे, लेकिन हमारी जड़ें जमीन से जुड़ी रहेंगी।? (व्यवधान) हमारे पैर देश के जन सामान्य की जिंदगी से जुड़े रहेंगे। हम चार करोड़ गरीबों के घर बना चुके हैं। आने वाले इस टेन्योर में तेज गति से तीन करोड़ और घर बना कर, इस देश में किसी को भी घर के बिना रहना नहीं पड़े, यह हम देखेंगे।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, 10 साल में वुमन सेल्फ ग्रुप में देश की कोटि-कोटि बहनों को एंटरप्रिन्योर के क्षेत्र में हम बहुत सफलतापूर्वक आगे बढ़े हैं। अब हम उसको नेक्स्ट लेवल पर ले जाने वाले हैं।? (व्यवधान) हमारे वुमन सेल्फ हेल्प ग्रुप में जो बहनें काम कर रही हैं, उनकी आर्थिक गतिविधि इतनी बढ़ाना चाहते हैं, उसका इतना विस्तार करना चाहते हैं कि हम बहुत कम समय में तीन करोड़ ऐसी बहनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लेकर चलने वाले हैं।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैंने पहले भी कहा है, आज मैं फिर से दोहरा रहा हूं। हमारी तीसरी टर्म में, इसका मतलब है ? हम तीन गुना स्पीड से काम करेंगे। हमारी तीसरी टर्म का मतलब है ? हम तीन गुना शक्ति लगाएंगे। हमारी तीसरी टर्म का मतलब है ? हम देशवासियों को तीन गुना परिणाम लाकर देंगे।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सदस्यगण, मैंने नेता प्रतिपक्ष सहित सबको मौका दिया। आपने 90 मिनट बोला।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: संसद में यह तरीका ठीक नहीं है। मैं आपसे आग्रह करूंगा। आप इस तरीके से संसद की मर्यादा का पालन कर रहे हैं, यह उचित नहीं है।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप वेल में से जाइए और अपनी सीट पर बैठिए। आपको मैंने पर्याप्त समय और अवसर दिया।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपको मैंने 90 मिनट बोलने दिया और पूरा समय दिया। आपके सभी सदस्यों को बोलने का अवसर दिया, लेकिन जब सदन के नेता बोलते हैं और आप जिस तरीके का व्यवहार करते हैं, यह संसदीय परंपराओं के अनुरुप नहीं है।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपकी इतनी बड़ी पार्टी है, जिसको आप लेकर चल रहे हैं, उसकी परंपराओं के अनुरुप भी नहीं है। ये पाँच साल ऐसे चलने वाला नहीं है।

माननीय प्रधानमंत्री जी।

? (व्यवधान)

श्री नरेन्द्र मोदी : आदरणीय अध्यक्ष जी, एनडीए का तीसरी बार सरकार में आना एक ऐतिहासिक घटना है।? (व्यवधान) आज़ादी के बाद यह सौभाग्य दूसरी बार इस देश में आया है और 60 साल के बाद आया है। इसका मतलब है कि यह सिद्धि पाना कितना कठोर परिश्रम के बाद होता है, कितना अभूतपूर्व विश्वास संपन्न होने के बाद होता है।? (व्यवधान) यह ऐसे ही राजनीति के खेल से नहीं होता है, जनता जनार्दन की सेवा से प्राप्त आशीर्वाद से होता है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, जनता ने हमें स्थिरता और निरन्तरता के लिए जनादेश दिया है। ?(व्यवधान) लोक सभा चुनाव के साथ ही लोगों की नजर से चीजें जरा ओझल हो गईं। लोक सभा चुनाव के साथ-साथ हमारे देश में चार राज्यों के भी चुनाव हुए।? (व्यवधान) इन चारों ही राज्यों में एनडीए ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। ? (व्यवधान) हमने शानदार विजय प्राप्त की है।? (व्यवधान) महाप्रभु जगन्नाथ जी की धरती ओडिशा ने हमें भरपूर आशीर्वाद दिया है।?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, आंध्र प्रदेश में एनडीए ने क्लीन स्वीप किया है। ?(व्यवधान) सूक्ष्मदर्शी यंत्र में भी ये नजर नहीं आते हैं। ?(व्यवधान) अरुणाचल प्रदेश में हम फिर एक बार सरकार बनाएंगे। ?(व्यवधान) सिक्किम में एनडीए ने फिर एक बार सरकार बनाई है।?(व्यवधान) अभी 6 महीने पहले ही आपका होम स्टेट राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हमने प्रचंड विजय पाई है। ? (व्यवधान) हमें नए-नए क्षेत्रों में जनता का प्यार मिल रहा है, जनता का आशीर्वाद मिल रहा है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, बीजेपी ने केरल में इस बार खाता खोला है और बड़े गर्व के साथ केरल के सांसद हमारे साथ बैठते हैं। ? (व्यवधान) तमिलनाडु में कई सीटों पर बीजेपी ने दमदार उपस्थिति दर्ज की है। ?(व्यवधान) कर्नाटक, यू.पी. और राजस्थान में पिछली बार की तुलना में बीजेपी का वोट पर्सेंट बढ़ा है।?(व्यवधान) आने वाले समय में तीन राज्यों में चुनाव हैं। जिन राज्यों में चुनाव हैं, उनमें से तीन की मैं बात करता हूं। ? (व्यवधान) महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड, यहां चुनाव आ रहे हैं। ? (व्यवधान) पिछली विधान सभा में इन तीन राज्यों में हमें जितने वोट मिले थे, इस लोक सभा चुनाव में इन तीन राज्यों में हमें उससे भी ज्यादा वोट मिले हैं।?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, पंजाब में भी हमारा अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा है और हमें बढ़त मिली है। ?(व्यवधान) जनता जनार्दन का भरपूर आशीर्वाद हमारे साथ है। ? (व्यवधान) 2024 के चुनाव में कांग्रेस के लिए भी इस देश की जनता ने जनादेश दिया है। ? (व्यवधान) इस देश का जनादेश है कि आप वहीं बैठिए। ? (व्यवधान)

17.00 hrs

विपक्ष में ही बैठो, तर्क खत्म हो जाए तो चीखते रहो, चिल्लाते रहो, ? (व्यवधान) कांग्रेस के इतिहास का यह पहला मौका है, जब लगातार तीन बार कांग्रेस 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पायी है। कांग्रेस के इतिहास में यह तीसरी सबसे बड़ी हार है। तीसरा सबसे खराब प्रदर्शन है। अच्छा होता, कांग्रेस अपनी हार स्वीकार करती, जनता जनार्दन के आदेश को सर आंखों पर चढ़ाती, आत्ममंथन करती, लेकिन ये तो शीर्षासन करने में लगे हुए हैं। ?

(व्यवधान) कांग्रेस और उसका इको सिस्टम दिन-रात बिजली जलाकर हिन्दुस्तान के नागरिकों के मन में यह प्रस्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने हमें हरा दिया है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, ऐसा क्यों हो रहा है, मैं अपने सामान्य जीवन के अनुभव से बता रहा हूं, कोई छोटा बच्चा साइकिल लेकर निकला है, अगर वह बच्चा गिर जाता है, साइकिल से लुढ़क जाता है, रोने लगता है, कोई बड़ा व्यक्ति उसके पास पहुंच जाता है, उसको कहता है कि चीटी मर गई, देखो चिड़िया उड़ गई, देखो तुम तो बहुत बढ़िया साइकिल चलाते हो, तुम गिरे नहीं हो, ऐसा करके उसका जरा मन ठीक करने के लिए प्रयास करते हैं, उसका ध्यान भटकाकर उस बच्चे का मन बहला देते हैं। आजकल बच्चे का मन बहाने का काम चल रहा है। ? (व्यवधान) कांग्रेस के लोग और उनका इको सिस्टम आजकल मन बहलाने का काम कर रहा है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, 1984 के चुनाव को याद कीजिए, उसके बाद इस देश में 10 लोक सभा के चुनाव हुए, 1984 के बाद 10-10 लोक सभा के चुनाव होने के बावजूद भी कांग्रेस 250 के आंकड़े को छू नहीं पायी है। इस बार किसी तरह 99 के चक्कर में फंस गए हैं। ? (व्यवधान) इस बार किसी तरह 99 के चक्कर में फंस गए हैं। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, मुझे किस्सा याद आता है, 99 मार्क्स लेकर एक बालक घमंड में घूम रहा था और सबको दिखा रहा था कि देखो, कितने ज्यादा मार्क्स आए हैं। लोग भी 99 मार्क्स सुनते थे तो शाबाशी देते थे और उसका बहुत हौसला बुलंद करते थे। उनके टीचर आए और बोले कि किस बात की मिठाई बांट रहे हो, 100 में से 99 मार्क्स नहीं लाए हैं, 543 में से लाए हैं। ? (व्यवधान) अब उस बालक बुद्धि को कौन समझाए कि तुमने फेल होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, कांग्रेस के नेताओं के बयानों में बयानबाजी ने शोले फिल्म को भी पीछे छोड़ दिया है। ? (व्यवधान) आप सबको शोले फिल्म की मौसीजी याद होंगी। यह बात तो सही है कि तीसरी बार तो हारे हैं, पर मौसी, मोरल विक्टरी तो है न। ? (व्यवधान) 13 राज्यों में जीरो सीट आई है, अरे मौसी, पर हीरो तो हैं न। ? (व्यवधान) पार्टी की लुटिया तो डुबोई है, अरे मौसी, लेकिन पार्टी अभी भी सांसें तो ले रही है। ? (व्यवधान) मैं कांग्रेस के लोगों को कहूंगा कि जनादेश को फर्जी जीत के जश्न में मत दबाओ। ? (व्यवधान) जनादेश को फर्जी जीत के नशे में मत डुबाओ। ? (व्यवधान) उस जश्न में मत दबाओ।? (व्यवधान) ईमानदारी से देशवासियों के जनादेश को ज़रा समझने की कोशिश करो, उसे स्वीकार करो। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, मुझे नहीं पता कि कांग्रेस के जो साथी दल हैं, उन्होंने इस चुनाव का विश्लेषण किया है या नहीं किया है। ये चुनाव इन साथियों के लिए भी एक संदेश हैं। ? (व्यवधान) अब कांग्रेस पार्टी वर्ष 2024 से एक परजीवी कांग्रेस के रूप में जानी जाएगी। वर्ष 2024 से जो कांग्रेस है, वह परजीवी कांग्रेस है और परजीवी वह होता है, जो जिस शरीर के साथ रहता है, उसी को खाता है। ? (व्यवधान) कांग्रेस भी जिस पार्टी के साथ गठबंधन करती है, उसी के वोट खा जाती है और अपनी सहयोगी पार्टी की कीमत पर वह फलती-फूलती है। इसीलिए कांग्रेस परजीवी कांग्रेस बन चुकी है। ? (व्यवधान) मैं जब परजीवी कह रहा हूं, तो तथ्यों के आधार पर कह रहा हूं।

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं कुछ आंकड़े आपके माध्यम से सदन को और इस सदन के माध्यम से देश के सामने रखना चाहता हूं। ? (व्यवधान) जहां-जहां भाजपा और कांग्रेस का सीधा मुकाबला था या जहां कांग्रेस मेजर पार्टी थी और साथियों के पास एक-दो सीटें थीं, वहां कांग्रेस का स्ट्राइक रेट सिर्फ और सिर्फ 26 परसेंट है, लेकिन जहां कांग्रेस किसी का पल्लू पकड़कर चलती थी, जहां वह जूनियर पार्टनर थी, किसी दल ने इनको मौका दे दिया, ऐसे राज्यों में कांग्रेस का स्ट्राइक रेट 50 परसेंट है। ? (व्यवधान) कांग्रेस की 99 सीटों में से ज्यादातर सीटें उनके सहयोगियों ने जिताई हैं। इसीलिए मैं कहता हूं कि यह परजीवी कांग्रेस है। 16 राज्यों में जहां कांग्रेस अकेले लड़ी, वहां उसका वोट शेयर इस चुनाव में गिर चुका है। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, गुजरात, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस अपने दम पर लड़ी और 64 में से केवल 2 सीटें ही जीत पाई है। ? (व्यवधान) इसका साफ मतलब है कि इस चुनाव में कांग्रेस पूरी तरह से परजीवी बन चुकी है और अपने सहयोगी दलों के कंधे पर चढ़कर सीटों का आंकड़ा बढ़ाया है। अगर कांग्रेस ने अपने सहयोगियों के वोट न खाए होते, तो लोक सभा में उनके लिए इतनी सीटें जीत पाना भी बहुत मुश्किल था। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, ऐसे समय में एक अवसर आया है। देश ने विकास के रास्ते को चुना है। देश ने विकसित भारत के सपने को साकार करने का मन बना लिया है। भारत को एकजुट होकर समृद्धि का नया सफर तय करना है। ऐसे समय में यह देश का दुर्भाग्य है कि हिन्दुस्तान में 6-6 दशक तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी अराजकता फैलाने में जुटी हुई है।? (व्यवधान) ये दक्षिण में जाकर उत्तर के लोगों के खिलाफ बोलते हैं। ये उत्तर में जाकर पश्चिम के खिलाफ जहर उगलते हैं। पश्चिम के लोगों के खिलाफ बोलते हैं। महापुरूषों के खिलाफ बोलते हैं। इन्होंने भाषा के आधार पर बांटने की हर

कोशिश की है। ? (व्यवधान) जिन नेताओं ने देश के हिस्से को भारत से अलग करने की वकालत की थी, उनको संसद की टिकट देने का दुर्भाग्य हमें देखना पड़ा। जो कांग्रेस पार्टी ने पाप किया है, कांग्रेस पार्टी खुलेआम एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ लड़ाने के लिए रोज नई-नई नरेटिव गढ़ रही है। नई तय अफवाहें फैला रही है। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, देश के एक हिस्से के लोगों को हीन बताने की प्रवृत्ति को भी कांग्रेस के लोग बढ़ावा दे रहे हैं। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, कांग्रेस देश में आर्थिक अराजकता फैलाने की दिशा में भी सोची-समझी चाल चल रही है। ? (व्यवधान) चुनाव के दौरान जो बातें की गईं राज्यों में, उनके राज्यों में जिस प्रकार से ये आर्थिक कदम उठा रहे हैं, वह रास्ता आर्थिक अराजकता की तरफ देश को घसीटने वाला है।? (व्यवधान) उनके राज्य देश पर आर्थिक बोझ बन जाएं, यह खेल जान-बूझकर के खेला जा रहा है। मंचों से साफ-साफ घोषणा की गई। अगर इनके मन का परिणाम नहीं आया तो 4 जून को देश में आग लगा दी जाएगी। लोग इकट्ठे होंगे, अराजकता फैलाएंगे, ये अधिकृत रूप से आह्वान किए गए। यह अराजकता फैलाना इनका मकसद है। भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सवालों के घेरे में लाकर अराजकता फैलाने का प्रयास किया गया है। सीएए को लेकर जो अराजकता फैलाई गई, देश के लोगों में गुमराह करने का जो खेल खेला गया, पूरी इको सिस्टम इस बात को बल देती रही, ताकि उनके राजनीतिक मकसद पूरे हों।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, देश को दंगों में झोंकने के भी कुत्सित प्रयास पूरे देश ने देखे हैं। ?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, आजकल सिम्पथी गेन करने के लिए एक नई ड्रामेबाजी शुरू की गई है। नया खेल खेला जा रहा है। मैं एक किस्सा सुनाता हूं। एक बच्चा स्कूल से आया और जोर-जोर से रोने लगा। उसकी मां भी डर गई कि क्या हो गया। वह बहुत रोने लगा, फिर कहने लगा कि मां मुझे आज स्कूल में मारा गया। आज स्कूल में मुझे उसने मारा, आज स्कूल में मुझे इसने मारा और वह जोर-जोर से रोने लगा। मां परेशान हो गई, उसने उससे पूछा कि बेटा बात क्या थी, लेकिन वह बता नहीं रहा था, बस रो रहा था कि मुझे मारा, मुझे मारा।?(व्यवधान)

बच्चा ये नहीं बता रहा था कि आज स्कूल में उस बच्चे ने किसी दूसरे बच्चे को मां की गाली दी थी। उसने ये नहीं बताया कि उसने किसी बच्चे की किताबें फाड़ दी थीं। उसने ये नहीं बताया कि उसने टीचर को चोर कहा था। उसने ये नहीं बताया कि वह किसी का टिफिन चुराकर खा गया था। हमने कल सदन में यही बचकाना हरकत देखी है। कल यहां बालक बुद्धि का विलाप चल रहा था। मुझे मारा गया, मुझे इसने मारा, मुझे उसने मारा, मुझे यहां मारा, मुझे वहां मारा। ये चल रहा था। ?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, सिम्पथी हासिल करने के लिए ये नया ड्रामा चलाया गया है, लेकिन देशवासी ये सच्चाई जानते हैं कि ये हजारों-करोड़ रुपयों की हेराफेरी के मामले में जमानत पर बाहर हैं।?(व्यवधान) ये ओबीसी वर्ग के लोगों को चोर बताने के मामले में सजा पा चुके हैं। इनको देश की सर्वोच्च अदालत में गैर-जिम्मेदाराना बयान देने के बाद माफी मांगनी पड़ी है। इन पर महान स्वातंत्र्य सेनानी वीर सवारकर जैसे महान व्यक्तित्व का अपमान करने का मुकदमा है। इन पर देश की सबसे बड़ी पार्टी के अध्यक्ष को हत्यारा कहने का मुकदमा चल रहा है। इन पर अनेक नेताओं, अधिकारियों, संस्थानों पर झूठ बोलने के गंभीर आरोप हैं और वे केस चल रहे हैं।?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, बालक बुद्धि में न तो बोलने का ठिकाना होता है और न ही व्यवहार का कोई ठिकाना होता है। ? (व्यवधान) जब यह बालक बुद्धि पूरी तरह से सवार हो जाती है तो सदन में भी किसी के गले पड़ जाते हैं। ? (व्यवधान) यह बालक बुद्धि अपनी सीमाएं खो देती है तो सदन के अंदर बैठकर के आंखें मारते हैं।? (व्यवधान) इनकी सच्चाई को अब पूरा देश समझ गया है।? (व्यवधान) इसलिए, आज देश इनसे कह रहा है- ?तुमसे नहीं हो पाएगा।? ? (व्यवधान) ?तुमसे ना हो पाएगा।? ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, प्लीज बैठ जाइए।

? (व्यवधान)

श्री नरेन्द्र मोदी : आदरणीय अध्यक्ष जी, तुलसीदास जी कह गए हैं।? (व्यवधान) अखिलेश जी, तुलसीदास जी कह गए हैं- ?झुठइ लेना, झुठइ देना, झुठइ भोजन, झुठइ चबेना।?? (व्यवधान) तुलसीदास जी ने कहा है- ?झुठइ लेना, झुठइ देना, झुठइ भोजन, झुठइ चबेना।? ? (व्यवधान) कांग्रेस ने झूठ को राजनीति का हथियार बनाया।? (व्यवधान) कांग्रेस के मुंह झूठ लग गया है।? (व्यवधान) जैसे आदमखोर एनिमल होता है, जिसको लहु मुंह पर लग जाता है।? (व्यवधान) वैसे ही, कांग्रेस के मुंह झूठ का खून लग गया है।? (व्यवधान) देश ने कल यानी 1 जुलाई को खटाखट दिवस भी मनाया है।? (व्यवधान) 1 जुलाई को लोग अपने बैंक अकाउंट चेक कर रहे थे कि 8500 रुपये आए या नहीं आए!? (व्यवधान) इस झूठे नरेटिव का परिणाम देखिए,

इसी चुनाव में कांग्रेस ने देशवासियों को गुमराह किया ।? (व्यवधान) माताओं-बहनों को हर महीने 8500 रुपये देने का झूठ? (व्यवधान) इन माताओं-बहनों के दिलों को जो चोट लगी है न! ? (व्यवधान) वह सर्प बनकर के कांग्रेस को तबाह करने वाली है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, ईवीएम को लेकर झूठ, संविधान को लेकर झूठ, आरक्षण को लेकर झूठ? (व्यवधान) उससे पहले राफेल को लेकर झूठ, एच.ए.एल. को लेकर के झूठ, एल.आई.सी. को लेकर के झूठ, बैंकों को लेकर झूठ तथा कर्मचारियों को भी भड़काने के प्रयास हुए। हौसला तो इतना बढ़ गया कि कल सदन को भी गुमराह करने का प्रयास हुआ। कल अग्निवीर को लेकर सदन में झूठ बोला गया। कल यहां भरपूर असत्य बोला गया कि एम.एस.पी. नहीं दी जा रही है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, संविधान की गरिमा से खिलवाड़, यह सदन का दुर्भाग्य है। अनेक बार लोक सभा में जीतकर के आए लोग सदन की गरिमा के साथ खिलवाड़ करें, यह शोभा नहीं देता है। यहां पर जो दल 60-60 सालों तक बैठा है, जो सरकार के कामों को जानता है, जिसके पास अनुभवी नेताओं की श्रृंखला है, वे जब अराजकता के इस रास्ते पर चले जाएं, झूठ के रास्ते को चुन लें, तब देश गंभीर संकट की तरफ जा रहा है और इसका सबूत भी मिल रहा है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, सदन की गरिमा से खिलवाड़ हमारे संविधान निर्माताओं का अपमान है, इस देश के महापुरुषों का अपमान है। देश के लिए, आज़ादी के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूतों का अपमान है। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं जानता हूँ कि आप बहुत सर्वोदयी हैं। आप उदार मन के मालिक हैं। आप संकट के समय भी हल्की-फुल्की मीठी मुस्कान के साथ चीजों को झेल लेते हैं, लेकिन अब जो हो रहा है और कल जो हुआ है, उसे गंभीरता से लिए बिना संसदीय लोकतंत्र को हम रक्षित नहीं कर पाएंगे।

आदरणीय अध्यक्ष जी, इन हरकतों को बालक बुद्धि कहकर, बालक बुद्धि मानकर के अब नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैं इसलिए कह रहा हूँ, क्योंकि इसके पीछे इरादे नेक नहीं हैं। इरादे गंभीर खतरे के हैं। मैं देशवासियों को भी जगाना चाहता हूँ। इन लोगों का झूठ हमारे देश के नागरिकों की विवेक बुद्धि पर आशंका व्यक्त करता है। उनका झूठ देश के सामान्य विवेक बुद्धि पर एक तमाचा मारने की निर्लज्ज हरकत है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, ये हरकतें देश की महान परंपराओं पर तमाचा है। इस सदन की गरिमा बचाने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी आप पर है। हम सदन में शुरू हुई झूठ की परंपरा पर कठोर कार्रवाई करेंगे। यह देशवासियों की भी और इस सदन की भी अपेक्षा है।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, कांग्रेस ने संविधान और आरक्षण पर भी हमेशा झूठ बोला है। ?(व्यवधान) आज मैं 140 करोड़ देशवासियों के सामने सच्चाई रखना चाहता हूं, बड़ी नम्रतापूर्वक रखना चाहता हूं।?(व्यवधान) देशवासियों ने भी इस सत्य को जानना बहुत जरूरी है।?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, आपातकाल, इमरजेंसी का यह 50वां वर्ष है। इमरजेंसी सिर्फ और सिर्फ सत्ता के लोभ की खातिर, तानाशाही मानसिकता के कारण देश पर थोपा गया तानाशाही शासन था और कांग्रेस क्रूरता की सभी हदें पार कर चुकी है।?(व्यवधान) उसने अपने ही देशवासियों पर क्रूरता का पंजा फैलाया था और देश के ताने-बाने को छिन्न-विच्छिन्न करने का पाप किया था। ?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, सरकारों को गिराना, मीडिया को दबाना, हर कारनामे, संविधान की भावना के खिलाफ, संविधान की धाराओं के खिलाफ, संविधान के एक-एक शब्द के खिलाफ है।?(व्यवधान) ये वे लोग हैं, जिन्होंने प्रारंभ से देश के दलितों के साथ, देश के पिछड़ों के साथ घोर अन्याय किया है।?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, इसी कारण से बाबा साहेब अम्बेडकर ने कांग्रेस की दलित विरोधी, पिछड़े विरोधी मानसिकता के कारण नेहरू जी की कैबिनेट से इस्तीफा दिया था।?(व्यवधान) उन्होंने पर्दाफाश किया था कि कैसे नेहरू जी ने दलितों, पिछड़ों के साथ अन्याय किया और बाबा साहेब अम्बेडकर ने कैबिनट से इस्तीफा देते समय जो कारण बताए थे, वे कारण इनके चरित्र को दर्शाते हैं।?(व्यवधान) बाबा साहेब अम्बेडकर जी ने कहा था, मैं सरकार द्वारा अनुसूचित जातियों की उपेक्षा पर अपने अंदर उत्पन्न आक्रोश को रोक नहीं सका। ये बाबा साहेब अम्बेडकर के शब्द हैं। ?(व्यवधान) अनुसूचित जातियों की उपेक्षा, इसने बाबा साहेब अम्बेडकर को आक्रोशित कर दिया। ?(व्यवधान) बाबा साहेब के सीधे हमले के बाद नेहरू जी ने बाबा साहेब अम्बेडकर का राजनीतिक जीवन खत्म करने के लिए पूरी ताकत लगा दी।?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, पहले षड़यंत्रपूर्वक बाबा साहेब अम्बेडकर को चुनाव में हरवाया गया। ?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, इतना ही नहीं, उन्होंने बाबा साहेब अम्बेडकर की इस पराजय का जश्न मनाया, खुशी मनाई।? (व्यवधान) उन्होंने खुशी व्यक्त की। एक पत्र में यह लिखित है।? (व्यवधान) इस खुशी का? (व्यवधान) बाबा साहेब की तरह ही दलित नेता बाबू जगजीवन राम जी को भी उनका

हक नहीं दिया गया ।? (व्यवधान) इमर्जेंसी के बाद जगजीवन राम जी की पीएम बनने की सम्भावना थी ।? (व्यवधान) इंदिरा गांधी जी ने पक्का किया कि जगजीवन राम जी किसी भी हालत में पीएम न बनें ।? (व्यवधान) एक किताब में लिखा गया है कि किसी भी कीमत पर जगजीवन राम जी प्रधान मंत्री नहीं बनने चाहिए । अगर बन गए तो वे जिंदगी भर हटेंगे नहीं ।? (व्यवधान) यह इंदिरा गांधी जी का क्वोट उस किताब में है ।? (व्यवधान) कांग्रेस ने चौधरी चरण सिंह जी के साथ भी यही व्यवहार किया । उनको भी नहीं छोड़ा था ।? (व्यवधान) पिछड़ों के नेता, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष, बिहार के सपूत सीताराम केसरी के साथ भी अपमानित व्यवहार करने का पाप इसी कांग्रेस ने किया था ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, कांग्रेस पार्टी प्रारम्भ से ही आरक्षण की घोर विरोधी रही है ।? (व्यवधान) नेहरू जी ने तो मुख्य मंत्रियों को चिट्ठी लिखकर साफ-साफ शब्दों में आरक्षण का विरोध किया था ।? (व्यवधान) कांग्रेस के एक प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने मंडल कमीशन की रिपोर्ट ठंडे बक्से में सालों तक दबाए रखा था ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, कांग्रेस पार्टी के तीसरे प्रधान मंत्री श्रीमान राजीव गांधी जब विपक्ष में थे, तो उनका सबसे लम्बा भाषण आरक्षण के खिलाफ था ।? (व्यवधान) वह आज भी संसद के रिकॉर्ड में उपलब्ध है । इसलिए? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आज एक गम्भीर विषय पर आपका और देशवासियों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं ।? (व्यवधान) कल जो हुआ, इस देश के कोटि-कोटि देशवासी आने वाली सदियों तक माफ नहीं करेंगे ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, 131 साल पहले स्वामी विवेकानंद जी ने शिकागो में कहा था? मुझे गर्व है कि मैं उस धर्म से आता हूं, जिसने पूरी दुनिया को सहिष्णुता और वैश्विक स्वीकृति सिखाई है ।? (व्यवधान) 131 साल पहले हिन्दू धर्म के लिए विवेकानंद जी ने अमेरिका के शिकागो में दुनिया के दिग्गजों के सामने कहा था ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हिन्दू सहनशील है, हिन्दू अपनत्व को लेकर चलने वाला समूह है । इसी कारण से, भारत का लोकतंत्र भारत की इतनी विविधताएं, उसकी वैविध्यता की विराटता के कारण ही पनपी है और पनप रही है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, यह एक गंभीर बात है कि आज हिन्दुओं पर झूठा आरोप लगाने की साज़िश हो रही है, गंभीर षड़यंत्र हो रहा है ।? (व्यवधान) यह कहा गया कि हिन्दू हिंसक होते हैं । यह है आपका संस्कार, यह है आपका चरित्र, यह है आपकी सोच, यह है आपकी नफरत? इस देश के हिन्दुओं के साथ ये कारनामे? ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, यह देश शताब्दियों तक इसे भूलने वाला नहीं है ।? (व्यवधान) कुछ दिन पहले हिन्दुओं में जो शक्ति की कल्पना है, उसके विनाश की घोषणा की गई थी ।? (व्यवधान) आप किस शक्ति के विनाश की बात करते हैं? ? (व्यवधान) यह देश सदियों से शक्ति का उपासक है । ? (व्यवधान) यह मेरा बंगाल माँ दुर्गा की पूजा करता है, शक्ति की उपासना करता है ।? (व्यवधान) यह बंगाल माँ काली की उपासना करता है, समर्पित भाव से करता है ।? (व्यवधान) आप उस शक्ति के विनाश की बातें करते हो? ? (व्यवधान) ये वे लोग हैं, जिन्होंने ?हिन्दू आतंकवाद? शब्द गढ़ने की कोशिश की थी ।? (व्यवधान) इनके साथी हिन्दू धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया जैसे शब्दों से करें और ये लोग तालियाँ बजाएं, यह देश कभी माफ नहीं करेगा ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, एक सोची-समझी रणनीति के तहत इनका पूरा इको-सिस्टम हिन्दू परम्परा, हिन्दू समाज, इस देश की संस्कृति, देश की विरासत को नीचा दिखाना, उसे गाली देना, उसे अपमानित करना, हिन्दुओं का मजाक उड़ाने को फैशन बना दिया है और उसे संरक्षण देने का काम अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए ऐसे तत्त्व कर रहे हैं ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, हम बचपन से सीखते हुए आये हैं, गांव का हो, शहर का हो, गरीब हो, अमीर हो, इस देश का हर बच्चा-बच्चा जानता है कि ईश्वर का हर रूप दर्शन के लिए होता है । ईश्वर का कोई भी रूप निजी स्वार्थ के लिए प्रदर्शन के लिए नहीं होता है ।? (व्यवधान) जिसके दर्शन होते हैं, उसके प्रदर्शन नहीं होते हैं । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारे देवी-देवताओं का अपमान 140 करोड़ देशवासियों के दिलों को गहरी चोट पहुंचा रहा है । ? (व्यवधान) निजी राजनीतिक स्वार्थ के लिए ईश्वर के रूपों का इस प्रकार से खेल? ? (व्यवधान) आदरणीय अध्यक्ष जी, यह देश कैसे माफ कर सकता है? ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, सदन के कल के दृश्यों को देखकर अब हिंदू समाज को भी सोचना होगा कि क्या यह अपमानजनक बयान कोई संयोग है या कोई प्रयोग की तैयारी है? ? (व्यवधान) यह हिंदू समाज को सोचना पड़ेगा । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारी सेनाएं देश का अभिमान हैं। ? (व्यवधान) सारे देश को उनके साहस और हमारी सेना की वीरता पर गर्व है। ? (व्यवधान) आज सारा देश देख रहा है। ? (व्यवधान) हमारी सेनाएं, हमारा डिफेंस सेक्टर आज़ादी के बाद इतने सालों में जितना नहीं हुआ, इतने रिफॉर्म्स हो रहे हैं, हमारी सेना को आधुनिक बनाया जा रहा है। ? (व्यवधान) हर चुनौती को हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब दे सके, इसलिए युद्ध के सामर्थ वाली सेना बनाने के लिए, देश की सुरक्षा का मकसद लेकर हम भरपूर प्रयास कर रहे हैं, रिफॉर्म्स कर रहे हैं, कदम उठा रहे हैं। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, बीते कुछ सालों में बहुत सारी चीजें बदली हैं। ? (व्यवधान) सीडीएस का पद बनने के बाद इंटीग्रेशन और सशक्त हुआ है। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारी सशस्त्र सेनाओं के बीच उनके सहयोग से, लंबे समय से युद्धशास्त्र के निष्णातों का मत था कि भारत में थिएटर कमांड जरूरी है। ? (व्यवधान) आज मैं संतोष के साथ कह सकता हूं कि सीडीएस व्यवस्था बनने के बाद देश में सुरक्षा के लिए जरूरी थिएटर कमांड की दिशा में प्रगति हो रही है। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, ?आत्मनिर्भर भारत? में हमारी सेना को आत्मनिर्भर बनाना, उसकी भी बहुत बड़ी, महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। ? (व्यवधान) हमारे देश की सेना युवा होनी चाहिए। ? (व्यवधान) सेना दुश्मनों के दांत खट्टे करने के लिए होती है। ? (व्यवधान) हमें हमारे युवाओं पर भरोसा होना चाहिए। ? (व्यवधान) सेना में युवाओं की ताकत बढ़ानी चाहिए। ? (व्यवधान) इसलिए, हम लगातार युद्ध-योग्य सेना बनाने के लिए रिफॉर्म्स कर रहे हैं। ? (व्यवधान) समय पर रिफॉर्म्स न करने के कारण हमारी सेना का बहुत नुकसान हुआ है। ? (व्यवधान) लेकिन ये बातें सार्वजनिक कहने योग्य नहीं होने के कारण मैं अपने मुंह को ताला लगाकर बैठा हूं। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, देश की सुरक्षा एक गंभीर मसला होता है। ? (व्यवधान) आदरणीय अध्यक्ष जी, ऐसे रिफॉर्म्स का उद्देश्य किसी भी परिस्थिति में, अब युद्ध के रूप बदल रहे हैं, संसाधन बदल रहे हैं, शस्त्र बदल रहे हैं, तकनीक बदल रही है। ? (व्यवधान) ऐसे में हमें हमारी सेनाओं को उन्हीं चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना, यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है, जिसको निभाने के लिए गालियाँ खाकर के भी, झूठे आरोप सहकर के भी मुँह पर ताला लगाकर हम काम कर रहे हैं।? (व्यवधान) ऐसे समय में देश की सेना को आधुनिक बनाने, सशक्त बनाने के लिए,?(व्यवधान) ऐसे समय कांग्रेस क्या कर रही है?? (व्यवधान) ये झूठ फैला रहे हैं।? (व्यवधान) डिफेंस रिफॉर्म्स के प्रयासों को कमजोर करने की शरारत? (व्यवधान) कर रहे हैं।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, दरअसल कांग्रेस के लोग कभी भी भारतीय सेनाओं को ताकतवर होते नहीं देख सकते।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, कौन नहीं जानता कि नेहरू जी के समय देश की सेनाएं कितनी कमजोर होती थीं?? (व्यवधान) हमारी सेनाओं में कांग्रेस ने जो लाखों, करोड़ों रुपये के घोटाले किए, वही एक तरीका था, जिस तरीके से देश की सेनाओं को कमजोर किया है।? (व्यवधान) इस देश की सेनाओं को कमजोर किया।? (व्यवधान) जल हो, थल हो, नभ हो, सेना की हर आवश्यकता में इन्होंने देश आज़ाद हुआ तब से भ्रष्टाचार की परम्परा बनाई।? (व्यवधान) जीप घोटाला हो, पनडुब्बी घोटाला हो, बोफोर्स घोटाला हो, इन सारे घोटालों ने देश की सेना की ताकत को बढ़ने से रोका है।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, वह भी एक वक्त था, कांग्रेस के जमाने में हमारी सेनाओं के पास बुलेट प्रूफ जैकेट भी नहीं हुआ करती थीं।? (व्यवधान) सत्ता में रहते हुए देश की सेना को तो बर्बाद किया ही किया, उसे कमजोर किया ही किया, लेकिन ये कारनामे विपक्ष में जाने के बाद भी चलते रहे।? (व्यवधान) विपक्ष में जाने के बाद भी सेना को कमजोर करने के लगातार प्रयास होते रहे हैं।? (व्यवधान) जब यह कांग्रेस सरकार में थी तो फाइटर जेट नहीं लिए और जब हमने कोशिश की तो कांग्रेस हर तरह की साजिश पर उतर आई।? (व्यवधान) फाइटर जेट एयरफोर्स तक न पहुँच पाए, इसके लिए साजिशें की गईं।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, यह बालक बुद्धि देखिए कि राफेल के छोटे-छोटे खिलौने बनाकर के उड़ाने में मजा लेते थे।? (व्यवधान) देश की सेना का मजाक उड़ाते थे।? (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, कांग्रेस ऐसे हर कदम का और रिफॉर्म का विरोध करती है, जो भारत की सेना को मजबूती दे, भारत की सेना को मजबूत बनाए।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यों, सभा की कार्यवाही माननीय प्रधानमंत्री जी के भाषण तक के लिए बढ़ाई जाती है और सभा की कार्यवाही सारी कार्यवाही पूर्ण होने तक बढ़ाई जाती है।

? (व्यवधान)

18.00 hrs

श्री नरेन्द्र मोदी : आदरणीय सभापति जी, समय देने के लिए और समय का विस्तार करने के लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, कांग्रेस के लोगों को यह पता चल गया है कि हमारे नौजवानों की ऊर्जा हमारे सैनिकों का आत्मबल ही हमारे सशस्त्र बलों की सबसे बड़ी शक्ति है और अब इस पर हमला करके एक नया तरीका सेना में भर्ती को लेकर सरासर झूठ फैलाया जा रहा है, ताकि मेरे देश के नौजवान मेरे देश की रक्षा करने के लिए सेना में न जाएं। उन्हें रोकने के लिए षड्यंत्र हो रहा है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं इस सदन के माध्यम से जानना चाहता हूं कि आखिर किसके लिए कांग्रेस हमारी सेनाओं को कमजोर करना चाहती है। किसके फायदे के लिए कांग्रेस वाले सेना के संबंध में इतना झूठ फैला रहे हैं। ?वन रैंक वन पेंशन? को लेकर देश के वीर जवानों की आंखों में झूल झोंकने का प्रयास किया गया ।? (व्यवधान) हमारे देश में श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने ?वन रैंक वन पेंशन? की व्यवस्था को खत्म किया था। दशकों तक कांग्रेस ने ?वन रैंक वन पेंशन? को लागू नहीं होने दिया और जब चुनाव आए तो 500 करोड़ रुपया दिखा कर सेवानिवृत्त सेना के नायकों को मूर्ख बनाने की कोशिशें भी की गईं। उनका इरादा था कि जितना हो सके ?वन रैंक वन पेंशन? को टालते रहें। एनडीए सरकार ने ?वन रैंक वन पेंशन? लागू की। भारत के पास संसाधन कितने ही सीमित क्यों न हों, लेकिन उसके बावजूद भी, कोरोना की कठिन लड़ाई के बावजूद भी 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपये हमारे पूर्व सैनिकों को ?वन रैंक वन पेंशन? के रूप में दिए गए ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यों, यह तरीका ठीक नहीं है। आप संसदीय परम्पराओं का पालन करें।

? (व्यवधान)

श्री नरेन्द्र मोदी : आदरणीय अध्यक्ष जी, आदरणीय राष्ट्रपति महोदया ने अपने उद्घोषण में पेपर लीक पर भी चिंता जताई है। मैं भी देश के हर विद्यार्थी को, देश के हर नौजवान को कहूंगा कि सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर है और युद्ध स्तर पर हम अपनी जिम्मेवारियों को पूरा करने के लिए एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं ।? (व्यवधान) युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कतई छोड़ा नहीं जाएगा। नीट के मामले में पूरे देश में लगातार गिरफ्तारियां की जा रही हैं। केंद्र सरकार पहले ही एक कड़ा कानून बना चुकी है ।? (व्यवधान) परीक्षा कराने वाले पूरे सिस्टम को पुख्ता करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, एनडीए सरकार ने बीते दस वर्षों में विकास को अपना सबसे बड़ा संकल्प बनाया है ।? (व्यवधान) आज हमारे सामने भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनाने का संकल्प है ।? (व्यवधान) आज हमारे सामने आज़ादी के इतने सालों के बाद पीने का शुद्ध पानी पहुंचाने के लिए हर घर जल पहुंचाने का हमारा संकल्प है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हर गरीब को आवास देना, यह हमारा संकल्प है ।? (व्यवधान) विश्व में भारत की जैसे-जैसे ताकत बढ़ रही है, हमारी सेनाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने का हमारा दृढ़ संकल्प है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, यह युग हरित युग है, यह युग ?ग्रीन एरा? है ।? (व्यवधान) इसलिए, दुनिया, जो ग्लोबल वार्मिंग से लड़ाई लड़ रही है, उसको एक बहुत बड़ी ताकत देने का बीड़ा भारत ने उठाया है ।? (व्यवधान) भारत रिन्यूएबल एनर्जी का पावरहाउस बने, उस दिशा में हमने एक के बाद एक कदम उठाया है और उसको अचीव करने का हमारा संकल्प है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, भविष्य ग्रीन हाइड्रोजन से जुड़ा है, ई-व्हीकल से जुड़ा हुआ है ।? (व्यवधान) भारत को ग्रीन हाइड्रोजन का हब बनाने के लिए भी हम पूरी तरह संकल्पबद्ध हैं ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, इक्कीसवीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए जिन संकल्पों को लेकर हम चले हैं, उसमें इंफ्रास्ट्रक्चर की भी बहुत बड़ी भूमिका है ।? (व्यवधान) हमें आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना है, हमें विश्व के सारे बेंचमार्क्स की बराबरी पर जाना है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जितना निवेश हुआ है, उतना निवेश पहले कभी नहीं हुआ है, जिसका लाभ आज देशवासी देख रहे हैं ।? (व्यवधान) देश में बहुत बड़े पैमाने पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बन रहे हैं ।? (व्यवधान) अब उसका विस्तार हो, उसको एक नया रूप-रंग मिले, आधुनिक भारत की आवश्यकताओं के अनुसार स्किल डेवलपमेंट हो और उसके आधार पर ?इंडस्ट्री 4.0? में भी भारत लीडर के रूप में उभरे और हमारे नौजवानों का भविष्य भी संवरे, उस दिशा में हम काम कर रहे हैं ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, एक स्टडी है, यह स्टडी बड़ी महत्वपूर्ण है ।? (व्यवधान) यह अध्ययन कहता है कि पिछले 18 सालों में प्राइवेट सेक्टर में जॉब क्रिएशन में आज सबसे बड़ा रिकॉर्ड बना है, 18 सालों में सबसे बड़ा रिकॉर्ड बना है ।? (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, आज भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम पूरी दुनिया में एक उदाहरण बना है । ? (व्यवधान) मैं जब भी जी-20 समूह की बैठक में गया, तब भारत के डिजिटल इंडिया मूवमेंट को ले कर, डिजिटल पेमेंट को ले कर, विश्व के समृद्ध देशों को भी अचरज होता है और वे बड़ी जिज्ञासा के साथ हमसे सवाल पूछते हैं । ? (व्यवधान) यह भारत की सफलता की बहुत बड़ी कहानी है । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, प्लीज़ । यह तरीका ठीक नहीं है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सब अपनी-अपनी सीटों पर जाइए ।

? (व्यवधान)

श्री नरेन्द्र मोदी : आदरणीय अध्यक्ष जी, जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, स्वाभाविक है कि प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है और चुनौतियां भी बढ़ रही हैं । ? (व्यवधान) जिन्हें भारत की प्रगति से दिक्कत है, जो भारत की प्रगति को चुनौती के रूप में देखते हैं, वे गलत हथकंडे भी अपना रहे हैं । ये ताकतें भारत की डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी और डायवर्सिटी पर हमला कर रही है । ? (व्यवधान) यह चिंता सिर्फ मेरी नहीं है । ? (व्यवधान) यह चिंता सिर्फ सरकार की नहीं है । ? (व्यवधान) यह चिंता सिर्फ ट्रेज़री बेंच की नहीं है । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, देश की जनता और माननीय सुप्रीम कोर्ट तक सब कोई इन बातों से चिंतित है । ? (व्यवधान) सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है, वह कोट मैं आज सदन के सामने रखना चाहता हूँ । ? (व्यवधान) सुप्रीम कोर्ट का यह कोट, देश के करोड़ों-करोड़ लोगों के लिए भी कैसे-कैसे संकट आने की संभावनाएं दिख रही हैं, इसकी तरफ इशारा करता है । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक जजमेंट में बड़ी गंभीरतापूर्वक कहा है और मैं वह कोट पढ़ता हूँ - ?ऐसा लगता है कि इस महान देश की प्रगति पर संदेह प्रकट करने, उसे कम करने और हर संभव मोर्चे पर उसे कमज़ोर करने का एक ठोस प्रयास किया जा रहा है ।? यह मैं सुप्रीम कोर्ट की बात पढ़ रहा हूँ । सुप्रीम कोर्ट आगे कह रहा है ? ?इस तरह के किसी भी प्रयत्न या प्रयास को आरंभ में ही रोक दिया जाना चाहिए ।? देश की सुप्रीम कोर्ट का यह कोट है ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, सुप्रीम कोर्ट ने यह जो भावना व्यक्त की है, इस पर हम यहां वाले या वहां वाले, जो सदन में हैं उन्होंने और जो बाहर हैं उन्होंने, सबको गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, भारत में भी कुछ लोग हैं, जो ऐसी ताकतों की मदद कर रहे हैं । ? (व्यवधान) देशवासियों को ऐसी ताकतों से सतर्क रहने की ज़रूरत है । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2014 में सरकार में आने के बाद देश के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती कांग्रेस के साथ ही कांग्रेस का इको सिस्टम भी रहा है ।? (व्यवधान) इस इको सिस्टम से मिली खाद-पानी, इसके दम पर कांग्रेस की मदद से यह इको सिस्टम 70 साल तक फला-फुला है ।? (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैं आज इस इको सिस्टम को चेताना चाहता हूं । इस इको सिस्टम की जो हरकतें हैं, जिस तरह से इस इको सिस्टम ने ठान लिया है कि विकास यात्रा को रोक देंगे, देश की प्रगति को डीरेल कर देंगे ।? (व्यवधान) मैं आज इस इको सिस्टम को बता देना चाहता हूं, उसकी हर साजिश का जवाब अब उसी की भाषा में मिलेगा । यह देश, देश विरोधी साजिशों को कभी भी स्वीकार नहीं करेगा ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, यह ऐसा काल खंड है, जब दुनिया भारत की प्रगति को बहुत गंभीरता से ले रही है, हर बारीकी को नोटिस कर रही है ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, अब चुनाव हो चुके हैं । 140 करोड़ देशवासियों ने अपना निर्णय व जनादेश दे दिया है, आवश्यक है कि विकसित भारत के निर्माण के लिए इस संकल्प को सिद्धि में बदलने के लिए, इस सदन के सभी माननीय सदस्यों का योगदान होना चाहिए ।? (व्यवधान) मैं उन सब को निमंत्रित करता हूं कि विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने के लिए आप भी जिम्मेवारी के साथ आगे आइए ।? (व्यवधान) देश हित के विषय पर हम साथ चलें, मिल कर के चलें और देशवासियों की आशा-आकांक्षाओं को पूरा करने में हम कोई कमी न रहने दें ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, पॉजिटिव राजनीति भारत के इस काल खंड में बहुत आवश्यक है और मैं अपने साथी पक्षों से भी कहना चाहूंगा, इंडी गठबंधन पक्ष के लोगों से भी कहना चाहूंगा कि आप मैदान में आइए । आप गुड गवर्नेंस पर स्पर्धा करें । जहां-जहां आपकी सरकारें हैं, वहां आप एनडीए की

सरकारों के साथ गुड गवर्नेंस पर स्पर्धा करें, डिलिवरी पर स्पर्धा करें, लोगों की आकांक्षा पूरी करने पर स्पर्धा करें, इससे देश का भला होगा और आपका भी भला होगा ।? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, आप अच्छे कामों के लिए एनडीए के साथ स्पर्धा करें । आप रिफॉर्म्स के मामले में हिम्मत करें । जहां-जहां आपकी सरकारें हैं, वहां आप रिफॉर्म्स से कदम बढाएं और वहां विदेशी निवेश को आकर्षित करें ।? (व्यवधान) अपने-अपने राज्यों में विदेशी निवेश ज्यादा आए, इसके लिए प्रयास करें । ? (व्यवधान) उनको यह अवसर है, उनके पास राज्यों में कुछ सरकारें हैं । ? (व्यवधान) इसके लिए वह भाजपा की सरकारों से स्पर्धा करें, एनडीए की सरकारों से स्पर्धा करें, सकारात्मक स्पर्धा करें ।? (व्यवधान) जिन लोगों को जहां सेवा करने का मौका मिला है, वहां पर वे रोजगार के लिए स्पर्धा करें ।? (व्यवधान) कौन सरकार ज्यादा रोजगार देती है, स्पर्धा के लिए मैदान में आएं, एक तंदुरुस्त स्पर्धा हो ।?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारे यहां भी कहा है कि गहना कर्मणो गति:, यानी कर्म की गति गहन है ।?(व्यवधान) इसलिए आक्षेप, झूठ, फरेब, डिबेट ऐसे जीतने के बजाए, कर्म से, कुशलता से, समर्पण भाव से, सेवा भाव से जरा लोगों के दिल जीतने के लिए कोशिश होनी चाहिए ।?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, अभी इस समय चर्चा के बीच मुझे एक दु:खद खबर भी दी गई है । यूपी के हाथरस में जो भगदड़ हुई, उसमें अनेक लोगों की दु:खद मृत्यु होने की जानकारी आ रही है । जिन लोगों की इस हादसे में जान गई है, मैं उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं । मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना करता हूं । राज्य सरकार की देख-रेख में प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है । केंद्र सरकार के वरिष्ठ, उत्तर प्रदेश सरकार के लगातार सम्पर्क में हैं । मैं इस सदन के माध्यम से सभी को यह भरोसा देता हूं कि पीड़ितों की हर तरह से मदद की जाएगी ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, आज एक लम्बी चर्चा हुई ।? (व्यवधान) मुझे पहली बार लोक सभा में प्रधान मंत्री के रूप में यहां पर सेवा के लिए आप लोगों ने अवसर दिया, तब भी मुझे ऐसा ही मुकाबला करना पड़ा था । ?(व्यवधान) वर्ष 2019 में भी मुझे ऐसा ही मुकाबला करना पड़ा ।?(व्यवधान) मुझे राज्य सभा में भी ऐसा ही मुकाबला करना पड़ा ?(व्यवधान) और इसलिए अब तो हौसला भी बड़ा मजबूत हो गया है ।?(व्यवधान) मेरा हौसला भी मजबूत है, मेरी आवाज भी मजबूत है और मेरे संकल्प भी मजबूत हैं ।?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, ये कितनी ही संख्या का दावा क्यों न करते हों, 2014 में जब हम आए, राज्य सभा में हमारी ताकत बहुत कम थी और चेयर का भी जरा झुकाव दूसरी तरफ था ।?(व्यवधान) लेकिन सीना तान करके देश की सेवा करने के संकल्प से हम डिगे नहीं ।?(व्यवधान) मैं देशवासियों को कहना चाहता हूं, आपने जो फैसला सुनाया है, आपने हमें सेवा करने का जो आदेश दिया है, ऐसी किसी रुकावटों से न मोदी डरने वाला है और न यह सरकार डरने वाली है ।?(व्यवधान) जिन संकल्पों को लेकर हम चले हैं, उन संकल्पों को पूरा करके रहेंगे ।?(व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, जो नए सांसद चुनकर आए हैं, उनको मैं विशेष रूप से शुभकामनाएं देता हूं ।?(व्यवधान) मैं मानता हूं ? (व्यवधान) कि वे बहुत कुछ सीखेंगे, समझेंगे । ? (व्यवधान) देश के लोगों की नजरों से गिरते हुए बचने का प्रयास भी करेंगे, इसलिए उनको भी परमात्मा कुछ सदबुद्धि दें, बालक बुद्धि को भी सदबुद्धि दे, इस अपेक्षा के साथ आदरणीय राष्ट्रपति महोदया जी के उदबोधन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं ।

अध्यक्ष जी, आपने मुझे समय दिया, विस्तार से बात बताने का मौका दिया, किसी का कोलाहल सत्य की आवाज को दबा नहीं सकता, ?(व्यवधान) सत्य ऐसे प्रयासों से नहीं दबता है और झूठ की कोई जड़ नहीं होती है ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, जिन लोगों को बोलने का अवसर नहीं दिया, यह उनकी पार्टी की जिम्मेवारी है, वह आगे अपने सांसदों का ध्यान रखेंगे, यह मैं अपेक्षा करता हूं । मैं इस सदन का भी धन्यवाद करते हुए ? (व्यवधान) आज मुझे बहुत आनंद आया, ? (व्यवधान) बहुत आनंद आया ? (व्यवधान) सत्य की ताकत क्या होती है, वह आज मैंने जी कर देखा, सत्य का सामर्थ्य क्या होता है, ? (व्यवधान) उसका मैंने आज साक्षात्कार किया ? (व्यवधान) इसलिए आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

***m100 माननीय अध्यक्ष**: धन्यवाद प्रस्ताव पर सदस्यों ने अनेक संशोधन प्रस्तुत किए हैं, अब मैं सभी संशोधनों को एक साथ सभा में मतदान के लिए रखता हूं ।

(संशोधन मतदान के लिए रखे गए तथा अस्वीकृत हुए ।)

माननीय अध्यक्ष : अब मैं राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को सभा के मतदान के लिए रखता हूं ।

प्रश्न यह है:

?कि राष्ट्रपति की सेवा में निम्नलिखित शब्दों में एक समावेदन प्रस्तुत किया जाए :-

?कि इस सत्र में समवेत लोक सभा के सदस्य राष्ट्रपति के उस अभिभाषण के लिए, जो उन्होंने 27 जून, 2024 को एक साथ समेवत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष देने की कृपा की है, उनके अत्यंत आभारी हैं।

(प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।)

____

14.09 hrs